सांध्य दैनिक
4PM
सारस की तरह एक बुद्धिमान व्यक्ति को अपनी इन्द्रियों पर नियंत्रण रखना चाहिए और अपने उद्देश्य को स्थान की जानकारी, समय और योग्यता के अनुसार प्राप्त करना चाहिए।
-चाणक्य
मूल्य ₹ 3/-
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 156 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 12 जुलाई, 2022

जनसंख्या विस्फोट मजहब की नहीं... 8 | हारे हुए बूथों को जीतना चाहती है... 3 | भाजपा की बी टीम है कांग्रेस, जनता... 7

पशुधन विभाग में हो गया करोड़ों का घोटाला, बड़े अफसरों का हर बार की तरह नहीं बिगड़ा कुछ

- कंपनियों से मिलीभगत कर महंगे दामों पर खरीदे गए उपकरण
- कोरोना के नाम पर करोड़ों की खरीद के लिए महज पांच दिन की लगाई बिड
- एक ही सामग्री को दो अलग-अलग दरों पर खरीदा, जेम नियमों की उड़ाई धज्जियां
- करोड़ों की हेराफेरी के खुलासे से विभागीय अफसरों में हड़कंप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति की पोल एक बार फिर खुल गयी है। पशुधन विभाग में राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत दवाओं और अन्य उपकरणों की खरीद में अफसरों और कंपनियों ने मिलकर करोड़ों का खेल कर दिया है। बिना मांग पत्र के विभागीय अधिकारियों ने अपनी चहेती कंपनियों से खरीदारी की। भ्रष्टाचार का आलम यह कि जेम के नियमों की भी अफसरों ने खुलकर धज्जियां उड़ाईं। हैरानी की बात यह है कि मामले का खुलासा होने के बाद भी हर बार की तरह इस बार भी अफसरों का कुछ नहीं बिगड़ा और सरकारी स्तर पर जांच-जांच का खेल जारी है।

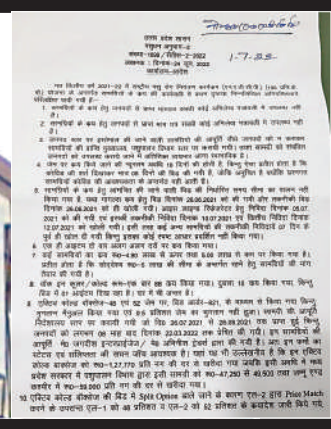

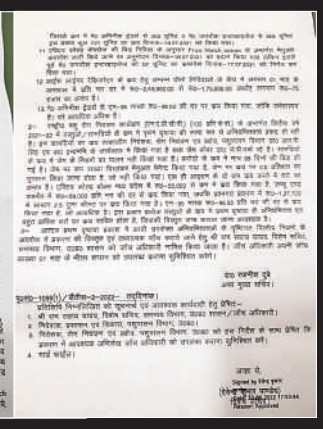

कोरोना काल के दौरान 4पीएम ने पशुधन विभाग में हो रहे घोटालों की खबर प्रमुखता से प्रकाशित की थी। इसके बाद सरकार नींद से जागी और इस मामले की प्रारंभिक जांच की गयी। रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि पशुओं से संबंधित उपकरणों और दवाओं की खरीद में जमकर धांधली हुई। रिपोर्ट के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2021-22 में राष्ट्रीय पशु... शेष पेज 8 पर

मंजूरी से पहले जारी कर दिया खरीद का आदेश

एक्टिव कोल्ड बॉक्सेज की बिड निविदा के अनुसार प्राइस मैच आप्शन के अन्तर्गत मैनुअल क्रयादेश जारी किये जाने पर अनुमोदन 18 जुलाई 2021 को किया गया लेकिन इससे पूर्व मे. जगदीश इन्टरप्राइजेज को 52 यूनिट का क्रयादेश 17 जुलाई 2021 को जारी कर दिया गया।

सप्लाई कंपनियों की मिलीभगत

एक्टिव कोल्ड बॉक्सेज-48 एवं 52 जेम पर, बिड आर्डर-821, के माध्यम से किया गया लेकिन भुगतान मैनुअल किया गया एवं 0.5 प्रतिशत जेम का भुगतान नहीं हुआ। सामग्री की आपूर्ति निदेशालय स्तर पर पर करायी गयी जो 26 जुलाई से 26 अगस्त 2021 तक प्राप्त हुई। वहीं इसे जनपदों में आठ महीने बाद 22 मार्च 2022 तक भेजा गया। इन सामग्रियों की आपूर्ति मे. जगदीश इन्टरप्राइजेज-मे.अभिनीश ट्रेडर्स द्वारा की गयी है। अतः इन फर्मों का स्टेटस एवं संलिप्तता की भी सघन जांच कराने पर जोर दिया गया है।

मूल्यों में अंतर, महंगी दर पर खरीदे गए मास्क

आईस लाईनर रेफ्रिजरेटर के क्रय के लिए जारी दोनों निविदाओं के बीच में एक महीने के अंतर में प्रति नग दर में 2,49,980.00 से -1,75,806.00 अर्थात लगभग 75 हजार का अंतर है। मे. अभिनीश ट्रेडर्स से एन-95 मास्क 96.50 की दर पर क्रय किया गया। यह बेहद महंगा है।

क्या कहना है पशुधन मंत्री का

प्रदेश के पशुधन व दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह का कहना है कि प्रकरण 2021 का है। अपर मुख्य सचिव पशुधन डॉ. रजनीश दुबे को तत्काल जांच कमेटी बनाने के निर्देश दिए हैं। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अपर मुख्य सचिव का क्या है आदेश

पशुधन विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. रजनीश दुबे ने अपने आदेश में लिखा है कि राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 में वस्तुओं/ सामग्रियों के क्रय में प्रथम दृष्टया की अनियमितताएं मिली है। इन सामग्रियों की खरीद तत्कालीन निदेशक, रोग नियंत्रण एवं प्रक्षेत्र, पशुपालन विभाग डॉ. आर.पी.सिंह एवं डॉ. इन्द्रमनि के कार्यकाल में की गई है और जेम बॉयर डा. जे.पी. वर्मा रहे हैं। जांच कराये जाने के लिए श्रीराम सहाय यादव, विशेष सचिव, समन्वय विभाग, उ.प्र. शासन को जांच अधिकारी नामित किया गया है और एक माह के भीतर रिपोर्ट मांगी गई है।

पासिंग आउट परेड में शामिल हुए सीएम योगी, कहा

पूर्ववर्ती सरकारों में पीएसी को खत्म करने की हो रही थी साजिश

- समाप्त कर दी थीं 54 कंपनियां, हमने पीएसी को बचाया, गठित की महिला बटालियन
- प्रदेश की सुरक्षा में सेंध लगाने की रची गयी थी साजिश, बिना भेदभाव की गई भर्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फोटो: सुमित कुमार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ पुलिस लाइन में पीएसी रिक्रूट आरक्षियों की दीक्षांत परेड समारोह में सम्मिलित होने के साथ ही परेड की सलामी ली। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने प्रदेश के इस सबसे अनुशासित बल के साथ एक कुत्सित प्रयास किया था। प्रदेश में 2017 से पहले बड़ी साजिश हो रही थी, जिसके तहत उत्तर प्रदेश पीएसी बल को समाप्त करने की योजना बनी थी। इस सजिश के तहत 54 कंपनियों को समाप्त कर दिया गया था। वह उत्तर प्रदेश की सुरक्षा में सेंध लगाने की कितनी बड़ी साजिश थी।

उन्होंने कहा कि होनहार जवानों को पुलिस बल का हिस्सा बनने से रोकने के लिए कैसे उन कंपनियों को समाप्त करते हुए इन नौजवानों को प्रदेश और देश की सेवा से वंचित करने का प्रयास किया गया था। वह बेहद ही शर्मनाक पल था और हम उस साजिश को नाकाम करने में सफल रहे। हमने न सिर्फ पीएसी को बचाया बल्कि इसकी महिला बटालियन का भी गठन करने में सफलता प्राप्त की है। बिना भेदभाव के एक लाख 62 हजार से अधिक नौजवानों को पुलिस व पीएसी में भर्ती प्रक्रिया में जोड़ा गया।

पहले होते थे दंगे आज हो रहा निवेश

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में निवेश, रोजगार सृजन की संभावनाएं विकसित हो रही हैं। नई सरकार के गठन के 100 दिन के भीतर बेहतरीन परिणाम आए हैं। पहले उत्तर प्रदेश में दंगे होते थे आज निवेश हो रहा है। लोगों के मन मे विश्वास भरा है। प्रदेश को अपराध मुक्त, भय मुक्त बनाने की जिम्मेदारी यूपी पुलिस की है।

इनको किया गया सम्मानित

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चार सर्वश्रेष्ठ परेड कमांडर योगेन्द्र अवस्थी, अमन पांडेय, राजा पांडेय तथा अमित सिंह को सम्मानित किया। प्रदेश में कुल 15,487 जवानों ने प्रशिक्षण समाप्त किया है। लखनऊ के साथ ही अन्य स्थान पर भी पासिंग आउट परेड का आयोजन किया गया है। अब इन पीएसी के जवानों को प्रदेश की विभिन्न वाहिनी में तैनाती मिलेगी।

विधायक निधि का 35 फीसदी दलित क्षेत्र के विकास पर करें खर्च : जयंत चौधरी

» रालोद मुखिया ने राजपाल बालियान को सौंपी बाकी विधायकों की जिम्मेदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रालोद मुखिया और सांसद जयंत चौधरी दलितों पर मेहरबान होते दिख रहे हैं। जयंत चौधरी ने रालोद विधान मंडल दल के नेता तथा बुढ़ाना विधायक राजपाल बालियान को पत्र लिखकर निर्देशित किया है कि विधायक निधि का 35 फीसदी से अधिक धन अनुसूचित जाति बहुल क्षेत्रों के विकास पर खर्च कराया जाए। राजपाल बालियान को लिखे पत्र में जयंत चौधरी ने कहा कि उनके दल के सभी कार्यकर्ता सामाजिक न्याय में अटूट विश्वास रखते हैं, और उनका मानना है कि जब तक समाज के कमजोर एवं वंचित तबके तक अधिक से अधिक सरकारी योजना का लाभ न पहुंचे तब तक बड़े सामाजिक सुधार एवं सकारात्मक परिवर्तन संभव नहीं है।

रालोद मुखिया ने पत्र लिखकर बाकी विधायकों से पार्टी इच्छानुसार दलित क्षेत्रों में विकास कराने की जिम्मेदारी रालोद विधानमंडल के नेता राजपाल बालियान को सौंपी है। उन्होंने कहा कि उनके दल के विधायकों की जो क्षेत्रीय विकास निधि है उसका 35 फीसद से अधिक अनुसूचित जाति वर्ग के कल्याण के लिए खर्च करेंगे। जयंत चौधरी ने बुढ़ाना विधायक राजपाल बालियान से कहा कि विधानमंडल दल के अध्यक्ष के नाते वह स्वयं प्रयास करें और सभी राष्ट्रीय लोकदल के विधायकों को निर्देशित करें कि अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग के मुद्दों को सदन में उठाने का कार्य करें तथा उन पर होने वाले उत्पीड़न पर पैनी नजर बनाए रखें और उन्हें न्याय दिलाने का प्रयास करें। जयंत चौधरी ने पत्र में लिखा है कि उन्होंने विधानसभा चुनाव से पूर्व न्याय यात्रा के माध्यम से उत्तर प्रदेश के अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों की तथा उनके गांव और आवासीय क्षेत्रों की दयनीय स्थिति देखी। उन्होंने कहा कि पार्टी लगातार बहुजन उदय अभियान के तहत ज्यादा से ज्यादा बहुजन समाज के लोगों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सब मिलकर समाज में पनप रही असमानता को मिटायेंगे, तथा वंचित समाज की आवाज बनेंगे। उन्होंने कहा चौधरी चरण सिंह तथा उनके पिता स्वर्गीय चौधरी अजीत सिंह की इस विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने में सभी उनका सहयोग करेंगे।

बिजली संकट से बचने को योगी सरकार विदेशी कोयला खरीदने को तैयार

» दो माह के लिए खर्च होंगे 650 करोड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वर्षा के मौसम में कोयले की कमी से बिजली आपूर्ति न प्रभावित हो इसके लिए राज्य सरकार विदेशी कोयला खरीद सकती है। कोल इंडिया के माध्यम से अगस्त-सितंबर में ही विदेशी कोयला खरीदने के लिए लगभग 650 करोड़ रुपए चाहिए होंगे। दरअसल, राज्य के तापीय बिजली उत्पादन गृहों के लिए आवंटित 15 से 17 रैक कोयले में से कोल इंडिया इनदिनों लगभग 11-12 रैक ही कोयला उपलब्ध करा रही है।

ऐसे में अगस्त-सितंबर में बिजली उत्पादन के लिए कोयले की कमी न होने पाए, इसके लिए अब राज्य सरकार विदेशी कोयला खरीदने पर विचार कर रही है। वैसे तो राज्य में जरूरत का 10 प्रतिशत विदेशी कोयला लेने पर लगभग 11 हजार करोड़ रुपए अतिरिक्त चाहिए। इससे प्रति यूनिट एक रुपये बिजली महंगी होने के अनुमान के मद्देनजर योगी सरकार ने पूर्व में विदेशी कोयला न लेने का निर्णय किया था। अब कोल इंडिया से घरेलू कोयले के साथ चार प्रतिशत तक विदेशी कोयला लेने के लिए 500-650 करोड़ रुपये ही चाहिए होंगे। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा का कहना है कि कोयले के आवंटन संबंधी अनुबंध के मुताबिक कोल इंडिया को चाहिए की राज्य को पूरा कोयला दे। आपात स्थिति में कोयला खरीदा जाए।

राष्ट्रपति चुनाव में अंतरात्मा पर वोट पड़े तो यशवंत जीतेंगे : रामगोपाल

» इटावा में सपा का सदस्यता अभियान जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इटावा में समाजवादी पार्टी का सदस्यता अभियान कल से शुरू हो चुका है। पहले दिन सपा के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव ने पार्टी कार्यालय पर सदस्यता रसीद काटकर इसका शुभारंभ किया है। वहीं दूसरे दिन रामगोपाल यादव ने अभियान के दौरान कहा कि राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष का प्रत्याशी जीतेगा।

साथ ही बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे को लेकर भी निशाना साधा। बता दें कि अखिलेश यादव ने हाल ही में पार्टी के जिलाध्यक्ष छोड़कर सभी संगठन को भंग करने की घोषणा की थी। साथ ही पूरे प्रदेश में सदस्यता अभियान चलाने के लिए कहा था। इसी क्रम में यहां के सपा जिलाध्यक्ष ने सबसे पहले रसीद कटवाकर पार्टी के सदस्य बने और पार्टी कार्यालय पर मौजूद सभी कार्यकर्ताओं ने सदस्यता लेते हुए पार्टी को मजबूत व जिले भर में वृहद स्तर पर लोगों को पार्टी से जोड़ने का आश्वासन दिया। प्रोफेसर रामगोपाल ने बताया कि पार्टी के नियम के अनुसार हर पांच वर्ष में यह अभियान चलाया जाता है। सदस्यों की सदस्यता 30 जून को समाप्त हो गयी थी। इसलिए अब फिर से पूरे प्रदेश में इस अभियान की शुरुआत की जा रही है। राष्ट्रपति चुनाव को लेकर कहा कि विपक्ष ने देश के पूर्व वित्त मंत्री, विदेश मंत्री जैसे कई बड़े पदों पर रहे काबिल प्रत्याशी यशवन्त सिन्हा का समर्थन किया है। वहीं बीजेपी ने द्रौपदी मुर्मू को अपना प्रत्याशी बनाया। रामगोपाल ने कहा कि चुनाव 18 को है, अंतरात्मा की आवाज पर लोगों ने वोट दिया तो यशवंत सिन्हा जीतेंगे। या फिर कोई भी जीतेगा एक चुनाव हारता है एक चुनाव जीतता है।

छात्र नेता की हत्या मामले में टेनी के खिलाफ सुनवाई 20 को

» 22 साल पहले लखीमपुर में छात्र नेता की हुई थी हत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के गन्ना कृषक बाहुल्य क्षेत्र लखीमपुर खीरी में केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के साथ ही उनके पुत्र आशीष कुमार मिश्रा मोनू के खिलाफ मामले की इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में सुनवाई चल रही है। वहीं छात्र की हत्या मामले में सुनवाई को अजय कुमार मिश्रा टेनी के वकील की मांग पर टाल दिया गया है। अब इस केस में अगली सुनवाई 20 जुलाई को होगी। लखीमपुर खीरी में करीब 22 वर्ष पहले छात्र नेता प्रभात गुप्ता की हत्या के मामले में केंद्र सरकार में गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा उर्फ टेनी के साथ ही चार अन्य को आरोपित किया गया था।

करीब 22 वर्ष पुराने पुराने प्रभात गुप्ता हत्या कांड मामले की इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच में अंतिम सुनवाई होनी थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट की एमपी एमएलए कोर्ट में जस्टिस रमेश सिन्हा और सरोज यादव की डबल बेंच में आज इस मामले में मुख्य आरोपित अजय कुमार मिश्रा उर्फ टेनी पर लगे आरोप की अंतिम सुनवाई होनी थी। अजय मिश्रा के वकील ने कोर्ट से इस केस के लिए और समय की मांग की। कोर्ट ने इसके बाद 20 जुलाई को केस की सुनवाई के लिए अगली तारीख तय कर दी है। बता दें कि 22 वर्ष पहले लखीमपुर खीरी में छात्र नेता प्रभात गुप्ता को गोली मारकर हत्या हुई थी। इस हत्या में टेनी समेत चार लोगों के खिलाफ दर्ज हत्या के मुकदमा किया गया था। अब 20 जुलाई को लखनऊ बेंच में होने वाली सुनवाई पर हर किसी की नजर रहेगी।

मुख्यमंत्री की मंजूरी पर ही होंगे तबादले : संदीप सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों के तबादले को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा है कि मुख्यमंत्री के पास इस वर्ष की पॉलिसी भेजी गई है। उनकी स्वीकृति मिलने के बाद ही तबादले की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने प्रदेश में परिषदीय स्कूलों के शिक्षकों का अनुपात देखने व समायोजन के बाद ही नए शिक्षकों की भर्ती के बारे में विचार करने की बात कही है।

लोकभवन में चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष 21695 शिक्षकों के तबादले किए गए थे। इस बार मुख्यमंत्री की अनुमति से आगे की प्रक्रिया की जाएगी। मृतक आश्रितों के समायोजन पर उन्होंने कहा कि समूह ग में पद खाली न होने के कारण आश्रितों को समूह घ में नौकरी दी जा रही है। बाकी यदि आश्रित उच्च शिक्षा प्राप्त है और शिक्षक बनने की योग्यता रखता है तो उसकी ट्रेनिंग करवाकर उन्हें शिक्षक बनाने पर विचार करेंगे। शहरी व ग्रामीण शिक्षकों को उपलब्ध जगह पर अनुपात देखकर स्थानांतरित किया जाएगा।

हारे हुए बूथों को जीतना चाहती है भाजपा

कमजोर बूथों पर भाजपा का फोकस, बनाई रणनीति, सांसद, विधायक घर-घर खटखटा रहे कुंडी; दूसरों से कैसे बेहतर ये समझा रहे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोक सभा चुनाव 2024 में 80 सीटों की जीत के लिए भाजपा एक्टिव हो चुकी है। शुरुआत कमजोर बूथ को मजबूत करने से हुई है। हार-जीत के कम मार्जिन वाले इन बूथों पर सांसद, मंत्री, विधायक, महापौर और पदाधिकारी फील्ड में उतारे गए हैं। टारगेट है कि लोगों को पार्टी से जोड़ा जाए। इसकी शुरुआत एक जुलाई से हुई है। घर-घर पहुंचकर जनप्रतिनिधि लोगों को भाजपा की प्लानिंग बता रहे, उनकी समस्या भी पूछी जा रही है। ये मजबूरी इसलिए भी क्योंकि भाजपा हारे हुए बूथों को जीतना चाहती है। आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में भाजपा 15 अगस्त को हर घर तिरंगा अभियान चलाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए टीमें बनाई गई हैं।

शक्ति केंद्र, मंडल और जिला स्तर पर दो-दो कार्यकर्ता शामिल किए गए हैं। हर घर तक तिरंगा पहुंचाने की तैयारी है। कानपुर में भाजपा एमएलसी विजय बहादुर पाठक और प्रदेश उपाध्यक्ष प्रकाश पाठक मौजूद हैं। कानपुर उत्तर, दक्षिण और गांव के पदाधिकारियों के साथ बैठक हो रही हैं। मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी और मोर्चा के जिलाध्यक्ष को पार्टी कार्यक्रम और अभियान के बारे में जानकारी दे दी गई है। भाजपा कानपुर दक्षिण में लोक सभा चुनाव में कम मार्जिन से हारने वाले 537 बूथ चिह्नित किए हैं। भाजपा प्रदेश में एक लाख 73 हजार से अधिक मतदान बूथों को सशक्त करेगी। पन्ना प्रमुखों की व्यवस्था दुरुस्त बनाएगी। वहीं पार्टी राजनीतिक, सामाजिक व राष्ट्रीयता से जुड़े कार्यक्रमों के जरिये जनता के बीच जाकर मोदी और योगी सरकार की उपलब्धियां बताएगी। सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को जोड़कर 50 प्रतिशत से अधिक मत हासिल करने का प्रयास करेगी। प्रदेश भाजपा ने केंद्रीय नेतृत्व से मिले एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए यह योजना बनाई है। पार्टी के महामंत्री संगठन सुनील बंसल ने बताया कि प्रदेश के 1.73 लाख से अधिक बूथों को ए, बी, सी और डी श्रेणी में बांटा गया है। इनमें से करीब 40 हजार बूथ मुस्लिम बहुल हैं। करीब 22 हजार बूथ ऐसे हैं जहां 2022 विधान सभा चुनाव में भाजपा कमजोर रही। सभी सांसदों, विधान सभा क्षेत्र संयोजकों के साथ प्रदेश पदाधिकारियों, जिलाध्यक्ष और जिला प्रभारियों को इन बूथों के क्षेत्र में लगातार प्रवास कर इन्हें सशक्त बनाना होगा। बूथों पर पार्टी के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को जोड़ने के साथ लाभार्थियों से संपर्क कर उन्हें पार्टी से मजबूती के साथ जोड़ा जाएगा। भाजपा ने सभी जिलाध्यक्षों को जिला कार्यसमिति की बैठक 15 जुलाई तक करने के निर्देश दिए हैं।

सरल एप पर कामकाज हो रहे अपलोड

पदाधिकारी बताते हैं कि जनप्रतिनिधियों को लोगों तक पहुंचाने की रिपोर्ट भी तैयार करवानी है। ये दस्तावेज 15 जुलाई तक सरल एप पर अपलोड किए जाएंगे। कानपुर जिलाध्यक्ष प्रभारी पाठक के मुताबिक मंडल और बूथ के कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी जा चुकी है। मंडल से बूथ स्तर तक वॉट्सएप ग्रुप बनाने के लिए कहा है। इसमें पार्टी नेता, कार्यकर्ता, संगठन पदाधिकारियों को जोड़ा जाएगा। मगर इनसे ज्यादा मतदाताओं को जोड़ना है।

भाजपाई सभी वर्गों तक पहुंचाएंगे पीएम की मन की बात

पीएम नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम को जनता के साथ सुनने के लिए कहा गया है। महीने के अंतिम रविवार को इसका प्रसारण होता है। पार्टी प्रबुद्ध लोगों को पार्टी से जोड़ा जा रहा है। इसमें सीए, वकील, शिक्षक, साहित्यकार, डॉक्टर, सामाजिक कार्यकर्ता, एनजीओ, प्रोफेसर आदि को पार्टी से जोड़ने के लिए प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन करने की तैयारी कर रही है।

सदस्यता अभियान के जरिए प्रदेश में खोयी सियासी जमीन पाने की जुगत में बसपा

- सदस्य बनने वालों से लिया जा रहा शुल्क, पार्टी पदाधिकारियों को सौंपी गयी जिम्मेदारी
- हर विधान सभा क्षेत्र से 75 हजार सदस्य बनाने का निर्धारित किया गया लक्ष्य

गीताश्री

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में करारी शिकस्त पाने के बाद बसपा प्रदेश में अपनी खोई सियासी जमीन पाने की कवायद में जुट गयी है। लोक सभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए बसपा पूरे जोर-शोर से सदस्यता अभियान में जुटी है। हर विधान सभा क्षेत्र से 75 हजार सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यही नहीं सदस्यों से शुल्क लेने का प्रावधान भी किया गया है।

पिछले कई चुनावों से बेहतर प्रदर्शन के लिए संघर्ष कर रही बसपा ने अभी से लोक सभा चुनाव 2024 की तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी ने इस बार परंपरागत तरीकों से आगे बढ़ते हुए सक्रिय सदस्यों के बूते मिशन 2024 फतह करने की नीति बनाई है। इसके लिए विशेष सदस्यता अभियान चलाकर हर विधान सभा में 75 हजार सक्रिय सदस्य बनाने की रणनीति है। एक जून से अभियान शुरू हो चुका है और 31 जुलाई तक चलेगा। बसपा के पदाधिकारियों का कहना है कि इतिहास में यह पहली बार होगा कि पार्टी ने आम सदस्यों से भी शुल्क लेने का निर्णय लिया है। हर नए सदस्य से 200 रुपये शुल्क लिया जा रहा है। पार्टी अब तक पदाधिकारियों से ही सदस्यता शुल्क लेती रही है। सदस्यता अभियान को प्रभावी बनाने के लिए सभी विधान सभा क्षेत्रों को सेक्टर में बांटा गया है। एक सेक्टर में 10 बूथ शामिल हैं। पांच सेक्टर मिलाकर जोन बनाया गया है और जोनवार ही सदस्यता शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसमें अनिवार्य रूप से जिलास्तर एवं विधान सभा स्तर का एक-एक पदाधिकारी शामिल हो रहा है। सेक्टर व बूथों के सभी पदाधिकारी मौजूद रह रहे हैं। लोगों को इस शिविर तक लाकर उन्हें बसपा की नीतियों से अवगत कराया जा रहा है और सदस्यता ग्रहण कराई जा रही है। पार्टी पदाधिकारियों का मानना है कि पार्टी सदस्य बनाने का लक्ष्य पूरा कर लेगी। शुल्क देकर सदस्य बनने वाले गंभीरता से पार्टी के लिए काम करेंगे। पार्टी प्रमुख मायावती ने हर वर्ग से सदस्य बनाने का निर्देश दिया है। इस अभियान को और गति देने के लिए कैडर कैंप लगाने की भी योजना है। बसपा के गोरखपुर मंडल प्रभारी हरि प्रकाश निषाद पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर सदस्यता अभियान तेजी से चल रहा है। हर विधान सभा से हमें 75 हजार सदस्य बनाने हैं और यह लक्ष्य आसानी से पूरा करेंगे। 2024 में बसपा सर्वाधिक सीटें जीतेगी। 31 जुलाई तक अभियान चलाया जाएगा।

घर-घर जा रहे पदाधिकारी

शिविर व बैठकों के माध्यम से सदस्यता अभियान के साथ ही वरिष्ठ पदाधिकारियों व पूर्व पदाधिकारियों को अलग से जिम्मेदारी दी गई है। सभी को सदस्यता की पर्ची दी गई है। ये पदाधिकारी लोगों के घर-घर जाकर सदस्य बनने की अपील कर रहे हैं और सदस्य बनाकर अपनी संगठनात्मक क्षमता का परिचय भी दे रहे हैं। ऐसा करके पार्टी ने अनुभवी नेताओं व युवा नेताओं में सामंजस्य बनाने का प्रयास भी किया है। वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारी देकर उनके प्रति सम्मान जताया गया है और उनके अनुभवों का लाभ भी मिल रहा है।

विधान सभा में मिली है करारी शिकस्त

बसपा को इस साल हुए प्रदेश विधान सभा चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा है। बलिया के रसड़ा विधान सभा के बसपा उम्मीदवार उमाशंकर सिंह ने सिर्फ जीत दर्ज की है। इस करारी हार से बसपा बेहद परेशान है और लोक सभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करना चाहती है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जनसंख्या पर यूएन की रिपोर्ट के मायने

सवाल यह है कि देश में लगातार बढ़ रही आबादी पर नियंत्रण लगाने में सरकार नाकाम क्यों है? क्या देश के संसाधन बढ़ती आबादी की जरूरतों को पूरा कर सकेंगे? जागरूकता अभियान का असर लोगों पर क्यों नहीं पड़ रहा है? क्या जनसंख्या वृद्धि देश की अर्थव्यवस्था को धराशायी नहीं कर देगी?

विश्व की बढ़ती जनसंख्या पर संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट बेहद चौंकाने वाली है। रिपोर्ट के मुताबिक 2030 तक विश्व की जनसंख्या 8.5 अरब हो जाएगी और वर्ष 2023 में भारत विश्व का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा। इस मामले में वह चीन को पीछे छोड़ देगा। हालांकि इस वर्ष भारत की आबादी 1.412 अरब जबकि चीन की आबादी 1.426 अरब है। जनसंख्या के मामले में चीन अभी विश्व में पहले पायदान पर है। सवाल यह है कि देश में लगातार बढ़ रही आबादी पर नियंत्रण लगाने में सरकार नाकाम क्यों है? क्या देश के संसाधन बढ़ती आबादी की जरूरतों को पूरा कर सकेंगे? जागरूकता अभियान का असर लोगों पर क्यों नहीं पड़ रहा है? क्या जनसंख्या वृद्धि देश की अर्थव्यवस्था को धराशायी नहीं कर देगी? बेरोजगारी और महंगाई से दो चार हो रहे भारत में जनसंख्या वृद्धि पर केंद्र और प्रदेश की सरकारें गंभीर क्यों नहीं है? क्या जनसंख्या नियंत्रण के लिए भारत चीन से सबक सीखेगा? क्या विश्व जनसंख्या विस्फोट और इससे उत्पन्न होने वाली अव्यस्था की कगार पर पहुंच चुका है?

देश की जनसंख्या साल-दर-साल बढ़ रही है। हालात लगातार गंभीर होते जा रहे हैं। यदि इस पर नियंत्रण नहीं लगाया गया तो आने वाले दिनों में देश की जनसंख्या को भोजन और अन्य वस्तुएं उपलब्ध कराना मुश्किल होगा। बेरोजगारी की रफ्तार और बढ़ेगी। इसका सीधा असर सामाजिक और आर्थिक हालात पर पड़ेगा। लोगों के रहने का इंतजाम करना भी बेहद मुश्किल होगा। खेती का रकबा घटने से खेतों पर अतिरिक्त उपज का बोझ बढ़ेगा। वहीं स्वास्थ्य सेवाएं के भी चरमराने की आशंका है। पेयजल आपूर्ति भी बाधित हो सकती है। ऐसी स्थिति में समाज में आपराधिक घटनाओं में इजाफा हो सकता है व कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा हो सकती है। हालांकि देश में जनसंख्या नियंत्रण के लिए सरकार लगातार जागरूकता कार्यक्रम चला रही है लेकिन उसका कोई असर पड़ता नहीं दिख रहा है। अभी भी जन्म दर में कोई कमी नहीं आ रही है। वहीं स्वास्थ्य सेवाओं में इजाफा होने और मेडिकल साइंस की नयी-नयी खोजों ने लोगों की जीवन प्रत्याशा को बढ़ा दिया है। इसके कारण भी जनसंख्या में वृद्धि हो रही है। ऐसे में सरकार को संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट पर न केवल गंभीर चिंतन करना होगा बल्कि इस पर नियंत्रण के लिए जरूरी कदम उठाने होंगे। भारत को चीन से जनसंख्या नियंत्रण के उपायों से सबक सीखना चाहिए। भारत के पास चीन की तरह क्षेत्रफल भी नहीं है। ऐसे में तमाम समस्याएं उत्पन्न हो जाएंगी। लिहाजा सरकार को अभी से इस पर गंभीर होना होगा।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

लुभावनी राजनीति में कसमसाती जिंदगी

सुरेश सेठ

एक सर्वेक्षण के अनुसार देश के सात राज्य ऐसे हैं, जहां व्यापार करना सहज हो जाने से व्यापारियों और निवेशकों का जीवन सरल हो गया है। इनमें गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना के साथ पंजाब और हरियाणा भी शामिल हैं। कामकाजी जीवन सहज और सरल हो जाये, यह इच्छा केवल कामगारों की, नव शिक्षित हो जीवन के रण स्थल में कूदते युवकों की ही नहीं, कोरोना महामारी से विस्थापित हुए श्रमवीरों की भी है। सहज और सरल हो जाने का अर्थ यही है कि जो काम होने चाहिये, वह नियम-कायदे के साथ अपने आप होने लगें। जिन पर काम करके देने की जिम्मेदारी है, अर्थात आपकी फाइल आगे बढ़ाने वाले से लेकर प्रशासक तक, वह अपना काम प्रतिबद्धता के साथ कर रहे हैं। समाज में सार्थक परिवर्तन लाने के लिए नये अभियान नियामकों द्वारा प्रस्तुत और नेतृत्व द्वारा पूर्णता तक पहुंचाये जा रहे हैं और देश में जनसाधारण से लेकर विशिष्ट जन तक अपने लिए राहत के रोशनदान खुलते महसूस कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने भी पिछले दिनों यह बात दोहरायी कि जीवन दुरूह तब हो जाता है जब जीवन बेहतर कर देने के बहुत सपनों के साथ नई योजनायें शुरू कर दी जाती हैं और वे बरसों पूर्णता की देहरी तक नहीं पहुंचतीं। उनकी पूर्णता के लिये करोड़ों रुपये के आवंटन की घोषणा साधारण जन में उम्मीद जगा देती है लेकिन आधी-अधूरी घोषणायें, उनके पूर्ति परिणामों का शून्य अजब खीझ से भर देता है, कि लो चमत्कारी संदेशों, उन्हें समर्थन देने वाले आंकड़ों के मिथ्या समर्थन के बावजूद हमारा जीवन तो उतना ही विकट रहा। इस देश का आर्थिक जीवन जो कभी मिश्रित अर्थव्यवस्था बना देने की घोषणा के साथ शुरू हुआ था, अर्थात् सार्वजनिक क्षेत्र का उत्तरोतर विकास जो जन-जन के कल्याण का रखवाला होगा और उसके समानांतर चलता निजी क्षेत्र जो देश की विकास दर को त्वरित गति प्रदान करेगा। कृषि क्रांति से भाग्य संवारने के साथ देश के औद्योगीकरण, आधुनिकीकरण और व्यवसायीकरण का पैगाम देगा, एक नये भारत का चेहरा संवारेगा लेकिन वह अपनी मंजिल तक पहुंच नहीं सका। सार्वजनिक क्षेत्र के मार्ग में लाल फीताशाही से लेकर, कर्तव्य कोताही, भ्रष्टाचार से लेकर मध्य जनों के शार्टकट पैदा करने का तौर तरीका चला आया और निजी क्षेत्र की प्रतिबद्ध त्वरित गति पर जो विश्वास किया गया था, वह अधिकाधिक लाभ भावना के वैकल्पिक मार्ग की ओर मुड़ता चला गया। इससे रास्ता आर्थिक उदारवाद की तलाश में किया गया। सहज साख नीति में किया गया।

सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के इस सह अस्तित्व में किया गया जो एक-दूसरे के पूरक हों लेकिन डेढ़ दशक के प्रयास के बावजूद इसमें अपेक्षित सफलता नहीं मिली, तो अब नीतियां फिर बदली हैं। नाम तो अभी भी सरकारी और निजी क्षेत्र की भागीदारी का है, लेकिन अब भरोसा अधिक निजी क्षेत्र की उद्यमशीलता पर किया जा रहा है। डिजिटल युग की स्वचालित क्षमता पर किया जा रहा है। धीरे-धीरे इसी भरोसे के साथ नये कदम उठाये जाने लगे हैं। सार्वजनिक बैंकों के साथ निजी बैंकों और वित्तीय संस्थानों की महत्ता का बढ़ना, धनिक घरानों और विदेशी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष निवेश का मूलभूत ढांचे के निर्माण में प्रवेश नया रास्ता है। देश को पौन सदी की आजादी में अधूरी उपलब्धियों पर उत्सव मनाने के साथ इसकी सदी की पूर्णता के साथ पूर्ण और स्वत: स्फूर्त विकास की ओर बढ़ना होगा।

डिजिटल भारत, इंटरनेट की दुनिया के साथ अंतरिक्ष में व्यवसाय के नये सपनों की उड़ान और पल पल ताकतवर होता हुआ भारत पैदा हो, जिसकी आवाज को अब वैश्विक फैसलों में दरकिनार नहीं किया जा सके। स्वतंत्र विदेश नीति के सफल तेवर रूस-यूक्रेन युद्ध की मारामारी में भी अंधपक्षधरता के स्थान पर तीसरी दुनिया का प्रतिनिधित्व करने वाली एक मुखर आवाज के रूप में दिखायी दे रहे हैं, जिसका स्वीकार अन्तरराष्ट्रीय मंचों से होने लगा है। निश्चय ही यह बदलते हुए भारत की छवि है जो आम नागरिक को गौरव का अहसास दे सकती है। यह अहसास उसे मिल भी रहा है। लेकिन उसे ऐसा क्यों लगने लगा कि उसके हिस्से मात्र अहसास है, जीवन सरल हो जाने के दावे हैं, लेकिन सरलता और सहजता उजली बस्तियों तक ठिठक रह गयी है? जहां गगनचुम्बी इमारतें उभरकर उसके शहरों को स्मार्ट हो जाने का खिताब बख्श रही हैं?

मानसिक स्वास्थ्य की चिंताजनक स्थिति

आशुतोष चतुर्वेदी

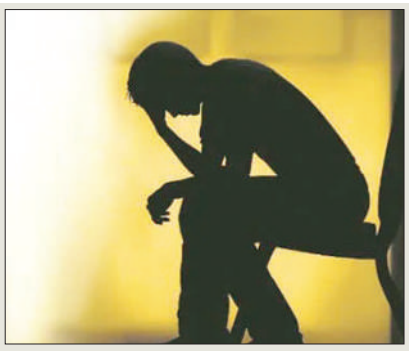

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की मानसिक स्वास्थ्य पर रिपोर्ट चिंताजनक है। इसमें बताया गया है कि अवसाद और व्यग्रता से पीड़ित लोगों की संख्या कोविड काल में 25 फीसदी बढ़ गयी है। किसी भी देश के लोगों का मानसिक स्वास्थ्य बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यह देश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने पर भी असर डालता है। संगठन इसे कोविड के बाद का एक बड़ा वैश्विक संकट मानता है। डब्ल्यूएचओ ने सभी देशों की सरकारों से तत्काल इस ओर ध्यान देने का आग्रह किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बड़ी संख्या में महिलाएं, युवा और बच्चे मानसिक रोगों का शिकार हो रहे हैं। 2019 में आठ लोगों में से एक को मानसिक रूप से दिक्कत थी लेकिन अब यह आंकड़ा बढ़ गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मनोविकार से ग्रस्त 100 में से एक व्यक्ति आत्महत्या कर लेता है।

समस्या यह है कि अधिकतर देश मानसिक स्वास्थ्य पर समुचित ध्यान नहीं देते हैं। अनेक देशों में तो मानसिक स्वास्थ्य पर खर्च करने के लिए बजट का भी प्रावधान नहीं रखा जाता है। विश्व भर में मनोविकार के 71 फीसदी पीड़ित लोगों को मानसिक स्वास्थ्य सेवा ही नहीं मिल पाती है। ऐसा नहीं है कि गरीब देशों में यह समस्या हो, मनोविकार के 70 फीसदी मरीज अमीर देशों में हैं। गरीब और विकासशील देशों में तो स्थिति और चिंताजनक है। यहां केवल 12 प्रतिशत को ही मानसिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो पाती है। मानसिक अवसाद के लिए स्वास्थ्य सेवा उपलब्धता में भी गरीब-अमीर के बीच बड़ी खाई है। विकसित देशों में भी मनोविकार के रोगियों में से एक-तिहाई को ही सेवा हासिल हो पाती है। यह सही है कि पिछले एक दशक में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ी है, लेकिन इसकी गति बेहद धीमी है। यह भी सच है कि पिछले कई दशकों से मानसिक स्वास्थ्य चिकित्सा की पूरी तरह अनदेखी की गयी है और पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं कराये गये हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सभी देशों से मानसिक स्वास्थ्य योजना को लागू करने की दिशा में तेजी से कदम उठाने का आग्रह किया है। उसने अनेक सिफारिशें भी की हैं, जिनमें मानसिक स्वास्थ्य के प्रति रवैये में बदलाव लाना और मानसिक स्वास्थ्य देखभाल की व्यवस्था को मजबूत करना शामिल है।

मानसिक रोगी समाज में उपहास का पात्र माना जाता है। कई बार तो उनको शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि भारत में अवसाद को बीमारी ही नहीं माना जाता है। अक्सर मानसिक रोग को ऊपरी बाधा मान लिया जाता है और झाड़-फूंक से इलाज करने की कोशिश की जाती है। हर शहर व गांव-कस्बे में ऐसे झाड़-फूंक वाले मिल जायेंगे जो परिस्थितियों का भरपूर दोहन करते हैं और लोगों से पैसा ठगते हैं। पढ़े-लिखे लोग भी उनका शिकार बन जाते हैं।

कई धर्मस्थलों को तो इस मामले में विशेषज्ञता हासिल है और वे मारपीट समेत अनेक विधियों से मानसिक विकार को ऊपरी बाधा बता कर इलाज करते हैं। दुर्भाग्य यह है कि सर्व समाज ने इलाज की इन पद्धतियों को स्वीकार कर लिया है। मौजूदा दौर की गलाकाट प्रतिस्पर्धा और माता-पिता की असीमित अपेक्षाओं के कारण बच्चों को भी मानसिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है। माता-पिता के साथ संवादहीनता भी बढ़ रही है। ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जहां बच्चे परिवार, स्कूल व कोचिंग में तारतम्य स्थापित नहीं कर पाते हैं और अवसाद का शिकार हो जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बाल्यावस्था में यौन दुर्व्यवहार और डराने-धमकाने को भी मानसिक अवसाद की एक बड़ी वजह है। हमारी व्यवस्था ने बच्चों के जीवन में अब सिर्फ पढ़ाई को ही रख छोड़ा है। रही-सही कसर मोबाइल ने पूरी कर दी है। माता-पिता के पास वक्त नहीं है। उनकी अपनी समस्याएं हैं। नौकरी और कारोबार की व्यस्तताएं हैं, उसका तनाव है। विज्ञान पत्रिका लैंसेट में कुछ वर्ष पहले किये गये एक अध्ययन को प्रकाशित किया था, जिसके अनुसार सात में से एक भारतीय किसी न किसी तरह के मानसिक अस्वस्थता से ग्रसित है। एक अन्य अध्ययन के अनुसार कोरोना महामारी के बाद भारतीयों में तनाव बढ़ा है। लगभग 10 हजार भारतीयों पर सर्वेक्षण किया गया था कि वे कोरोना महामारी से उत्पन्न परिस्थिति का किस तरह सामना कर रहे हैं। 26 प्रतिशत लोगों ने बताया कि वे हल्के अवसाद से ग्रस्त हैं जबकि 11 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे काफी हद तक अवसाद से ग्रस्त हैं। वहीं छह प्रतिशत लोगों ने अवसाद के गंभीर लक्षण होने की बात स्वीकार की।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया में लगभग आठ लाख लोग हर साल आत्महत्या कर लेते हैं। ऐसा नहीं है कि केवल निराशा और अवसाद से पीड़ित भारत में ही हों। सबसे विकसित देश अमेरिका में सबसे अधिक लोग अवसाद से पीड़ित हैं लेकिन चिंताजनक बात यह है कि पीड़ितों में से केवल आधे लोगों का ही इलाज हो पाता है। ऐसी परिस्थिति में जीवन में ऐसे अनेक अवसर आयेंगे, जब व्यक्ति आर्थिक कारणों से तनाव और अवसाद का शिकार हो सकता है। कई लोग संघर्ष करने के बजाय हार मान कर आत्महत्या का सहज रास्ता चुन लेते हैं। गंभीर होती जा रही इस समस्या का कोई हल नजर नहीं आ रहा है।

गूलर की छाल से बने 250 मिली काढ़े में 3 ग्राम कत्था व 1 ग्राम फिटकरी मिला लें। इसका कुल्ला करने से मुंह के रोगों में लाभ होता है।

गूलर की छाल, कच्चे और पके फल तथा उसके दूध के प्रयोग से अनेक रोगों का इलाज किया जा सकता है। यह रक्तचाप यानी ब्लड प्रेशर को कम करता है बैक्टीरिया को नष्ट करता है, मधुमेह यानि डायबिटीज को नियंत्रित करता है। लिवर को बल प्रदान करता है मल को बांधता है और शरीर को पुष्ट करता है।

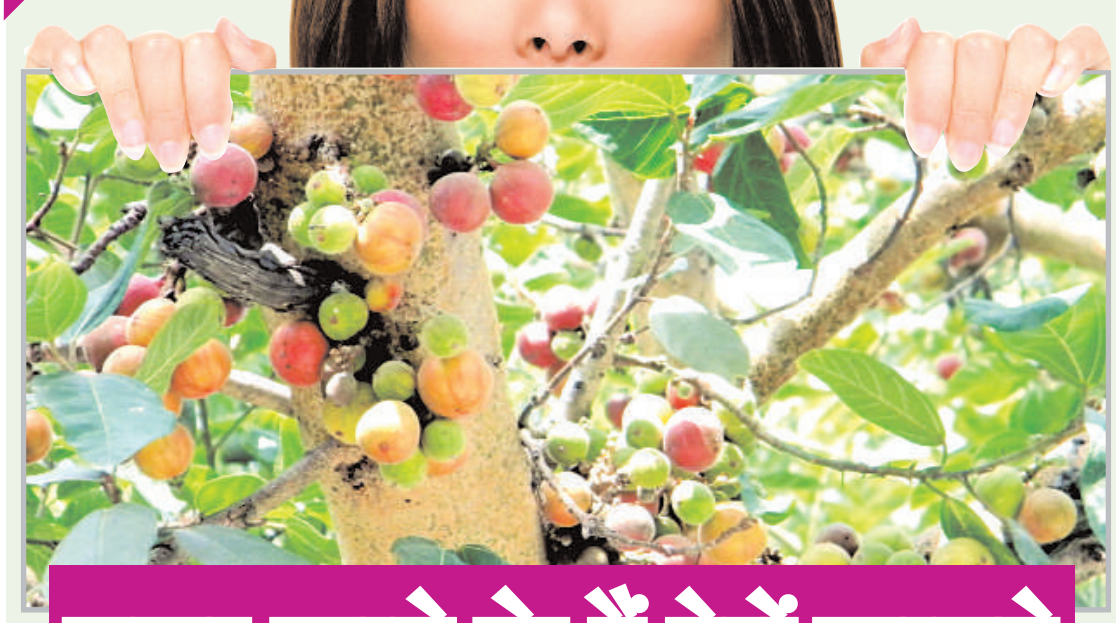

गूलर खाने के हैं ढेरों फायदे खून की कमी करता है दूर

क्या आप गूलर फल के बारे में जानते हैं। गूलर को क्षेत्रीय भाषाओं में अलग-अलग नामों से जाना जाता है, इसलिए हो सकता है कि गूलर नाम से यह फल याद न आ रहा हो। गूलर का वैज्ञानिक नाम फाइकस रेसमोसा है और अंग्रेजी भाषा में इसे क्लस्टर फिग के नाम से जाना जाता है। आइए जानते हैं इसके फायदों के बारे में...

रेड ब्लड सेल्स बनाने में मदद

गूलर भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया और चीन के कुछ हिस्सों में उगता है। गूलर में विटमिन बी-2 होता है जो रेड ब्लड सेल्स के प्रोडक्शन में मदद करता है। इसके अलावा यह ऐसी एंटीबॉडीज को बनाने में मदद करता है जो शरीर के विभिन्न हिस्सों में ऑक्सीजन पहुंचाने में मदद करता है।

डायबिटीज व अस्थमा में फायदेमंद

गूलर में एंटी-डायबिटिक, एंटी-ऑक्सिडेंट और एंटी-अस्थमैटिक प्रॉपर्टीज होती हैं, जिनकी वजह से यह डायबिटीज से लेकर अस्थमा और अन्य बीमारियों से बचाव में कारगर है।

आयरन की कमी करे दूर

गूलर में पर्याप्त मात्रा में आयरन होता है और यह शरीर से आयरन की कमी को दूर करने में मदद करता है।

- गर्मी के मौसम में गूलर के पके फलों का शर्बत बनाकर पीने से मन प्रसन्न होता है और शरीर में शक्ति की वृद्धि होती है तथा कई प्रकार के रोग जैसे कब्ज तथा खांसी और दमा आदि ठीक हो जाते हैं।

नींद की कमी करे दूर

नींद न आने की समस्या से निपटने में भी गूलर कारगर है। इसकी वजह गूलर में मौजूद आयरन है। यह न सिर्फ अच्छी नींद लाने में मदद करता है, बल्कि स्ट्रेस भी दूर रखता है।

पित्त में लाभदायक

पित्त की बीमारी में गूलर की पत्तियों को शहद के साथ पीसकर खाने से राहत मिलती है। गूलर को हार्ट संबंधी बीमारियों से बचाव में भी लाभदायक माना गया है।

ये लोग न खाएं

यदि किसी को गूलर से एलर्जी है तो फिर बिल्कुल भी न खाएं। गर्भवती महिलाएं गूलर खाने से पहले डॉक्टर से जरूरी सलाह लें। गूलर का अधिक मात्रा में सेवन करने से बुखार पैदा हो सकता है। पके हुए फलों को अधिक मात्रा में नहीं खाना चाहिए क्योंकि यह आंतों के कीड़ों को बढ़ा सकता है।

कहानी — क्रोध में निर्णय

बहुत पुराने समय की बात है। श्रेणिक नामक एक राजा था। चेलना नाम की उसकी रानी थी। एक बार दोनों महावीर तीर्थकर के दर्शन कर लौट रहे थे, तो रानी ने देखा की एक मुनि भयंकर शीत में ताप कर रहे है। घर लौटकर रानी को नींद आ गई। उसका एक हाथ ठण्ड के कारण बिस्तर से नीचे लटके रहने से अकड़ गया। आंखे खुली तो बहुत दर्द था। जब सेंक दिया जा रहा था तो उसके मन में सहज उस मुनि की स्मृति हो आई, जो बिना वस्त्र के भयंकर ठण्ड झेलता हुआ तप कर रहा था। वह बोल उठी, हे भगवान ! उस बेचारे का क्या हाल होगा, जब मेरा यह हाल हो गया है। राजा ने शब्द सुने, उन्हें यह संदेह जन्मा की रानी के मन में जरूर कोई पुरुष है। वे बाहर निकले और क्रोध से पागल होकर मन्त्री से बोले, रानी अन्दर सो रही है, तुम महल जला दो। इसके बाद मन शांत करने राजा भगवान महावीर के पास पहुंचे। पहुंचते ही भगवान महावीर बोले, चेलना पतिव्रता है, पवित्र है। यह तुमने क्या किया। यह सुनकर तुरंत श्रेणिक वापस लौटे। राजा ने मन्त्री से पूछा, महल जला दिया क्या। मन्त्री ने कहा, हां ! आपकी आज्ञा थी। राजा यह सुनकर एकदम शोक में डूब गया। मन्त्री ने कहा, राजन ! दुखी न हो, मैं जानता था, आपने यह निर्णय आवेश में लिया है। महल व रानी सुरक्षित है। राजा प्रसन्न भाव से रानी के पास पहुंचे। फिर राजा ने कभी कोई निर्णय क्रोध में, होश खोकर नहीं लिया। जो मानव मन में उठे हुए क्रोध को दौड़ते हुए रथ के समान तुरंत रोक लेता है, उसी को मैं सारथी समझता हूं, क्रोध के अनुसार चलने वाले को केवल लगाम रखने वाला मात्र कहा जा सकता है। महात्मा बुद्ध ने कहा मित्रों क्रोध या गुस्सा अपने आप में मुसीबत उत्पन्न करता है। क्रोधी मनुष्य दूसरों को हानि पहुंचाता है परन्तु उनसे अधिक अपने आप को घायल कर लेता है। जब हम क्रोधित होते हैं तब हम अपना गुस्सा तो निकाल देते हैं लेकिन तब हम यह नहीं सोचते कि इसका परिणाम क्या होगा। हम क्रोध में कई बार अपने कई अच्छे रिश्ते, इज्जत, विश्वास तथा और भी बहुत कीमती चीजें खो देते हैं। इसलिए हमें कभी भी गुस्से में कोई निर्णय नहीं करना चाहिए, बल्कि उस बारे में गहन विचार करके उसका हल निकालना चाहिए।

हंसना मना है

पप्पू: सबसे ज्यादा दर्द दिल टूटने पर होता है। गप्पू: कभी नहाते हुए सिर में टोंटी लगी है।

उसकी यादों को भुलाने के लिए दिल पर जो पत्थर रखे थे कमबख्त सरक कर किडनी में वे आज पथरी बन गए। अब दर्द पहले से ज्यादा होता है।

एक यूट्यूबर को फांसी की सजा हुई।

जज ने पूछा: कोई आखिरी इच्छा: यूट्यूबर: चैनल को सब्सक्राइब करें और बेल आइकॉन जरूर दबाएं।

बुरा वक्त भी कट जाता है बस फोन का चार्जर साथ होना चाहिए।

जिनका कहीं जी नहीं लग रहा हो, वे मेरे नाम के आगे जी लगाकर मन हल्का कर सकते हैं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — मन में तनाव रहेगा। मन में असमंजस रहने से किसी भी विषय में निर्णय नहीं ले पाएंगे। किसी बात को लेकर भाइयों में मतभेद हो सकते हैं। माता की चिंता रहेगी।

वृषभ — दिन शुभ है। पारिवारिक जीवन में सौहार्द का वातावरण बना रहेगा। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। भाइयों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। जिससे आत्मविश्वास बना रहेगा।

मिथुन — दिन सामान्य रहेगा। मन में तनाव की स्थिति बनी रहेगी। परिवार में किसी बात को लेकर मतभेद हो सकते हैं। अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें विवाद अधिक बढ़ सकता है।

कर्क — आज आपका भाग्य आपको पूर्ण सहयोग प्रदान करेगा। आज के दिन कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा। धन संबंधी शुभ संकेत मिल रहे हैं। वैवाहिक जीवन आनंदमय रहेगा।

सिंह — मन में चिंता बनी रहेगी। ईश्वर आराधना में मन लगेगा। माता का आशीर्वाद प्राप्त करें, माता के आशीर्वाद से कल्याण प्राप्त होगा। जीवनसाथी से विवाद हो सकता है।

कन्या — परिवार में अब तक विशेष प्रभाव बना रहेगा। समाज व कार्य क्षेत्र में भी आपको सम्मान मिलेगा। संतान पक्ष की तरफसे भी आप निश्चिंत रहेंगे। सहयोग बना रहेगा।

तुला — धन से संबंधित दिन सामान्य रहेगा। संतान के स्वभाव में उग्रता होने के कारण संतान से विवाद हो सकता है। हर क्षेत्र में अधिक संघर्ष करना पड़ेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक — आज आपका मन धार्मिक एवं आध्यात्मिक विचारों से ओतप्रोत रहेगा। ईश्वर के प्रति आस्था और मजबूत होगी। धार्मिक कार्यों को करने में रुचि रहेगी।

धनु — आज का दिन शुभ नहीं है। मानसिक असंतोष बना रहेगा। मन में नकारात्मक विचार आते रहेंगे। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद बन सकते हैं।

मकर — आज मन में प्रसन्नता बनी रहेगी एवं दिमाग अधिक सक्रिय रहेगा। पुराने रुके हुए कार्यों को आज बहुत ही सरल तरीके से संपन्न कर पाएंगे। धन संबंधी रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे।

कुम्भ — मन में तनाव रहेगा। स्थायी संपत्ति की कोई समस्या को लेकर कठिनाई महसूस करेंगे। कार्यक्षेत्र में किसी परेशानी के कारण मन व्यथित रहेगा। कुछ नुकसान हो सकता है।

मीन — आज आपका भाग्य बहुत सहयोग करेगा। धन संबंधी कार्य पूर्ण होंगे। कार्य करने के लिए उत्साह एवं शरीर में बहुत ऊर्जा महसूस करेंगे। रुका हुआ धन मिलेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

खुशनसीब हैं कि हमने एक दूसरे को पा लिया : रणबीर

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट जल्द ही पेरेंट्स बनने वाले हैं। हाल ही में रणबीर की अपकमिंग फिल्म शमशेरा के प्रमोशन के दौरान उन्होंने आने वाले बच्चे के बारे में बात की और आलिया की तारीफ भी की। रणबीर ने कहा कि वो आलिया के साथ सेफ और प्रोटेक्टेड फील करते हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि आलिया शुरू से ही बच्चा चाहती थीं। रणबीर कहते हैं कि आलिया एकदम मेरी बेस्ट फ्रेंड जैसी हैं। जैसे हम आपस में बात और हंसी-मजाक करते हैं। साथ ही एक-दूसरे के लिए ईमानदार हैं। मैं बहुत ज्यादा एक्सप्रेसिव नहीं हूं, लेकिन आलिया के साथ मैं सब कुछ शेयर करता हूं और वो इसे समझती भी हैं। रणबीर आगे कहते हैं कि आपको अपने दिल में पता होता है, एक फीलिंग होती है कि आप बहुत सेफ और प्रोटेक्टेड फील करते हैं और मुझे लगता है कि आलिया भी ऐसा ही फील करती हैं। हम खुशनसीब हैं कि हमने एक-दूसरे को पा लिया है। रणबीर कहते हैं जब से मैं और आलिया मिले, तब से हम एक-दूसरे से प्यार करने लगे और तभी से हम दोनों बच्चे के बारे में बात करते थे। मैं हमेशा से बच्चे चाहता था और आलिया भी ऐसा ही चाहती हैं। हम लाइफ का एक नया चैप्टर शुरू करने जा रहे हैं। मैं इसके लिए बहुत एक्साइटेड हूं और अब ज्यादा इंतजार नहीं कर सकता हूं। रणबीर और आलिया ने इसी साल 14 अप्रैल को परिवार और कुछ खास दोस्तों की मौजूदगी में शादी की थी। 2017 में फिल्म ब्रह्मास्त्र के सेट पर मुलाकात के बाद दोनों ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया। डेटिंग के 5 साल बाद उन्होंने शादी की। रणबीर के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स में लव रंजन की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है।

सलमान खान ने तोड़ी परंपरा, इस साल बकरीद पर फैंस से नहीं मिले

बॉलीवुड | मसाला

सलमान खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्मों की शूटिंग और डबिंग में बिजी हैं। इस साल वह बकरीद के मौके पर अपने फैंस से नहीं मिल पाए। दरअसल वह हर साल बकरीद पर गैलेक्सी अपार्टमेंट की बालकनी में आकर फैंस से मिलते थे, लेकिन इस साल वह सुरक्षा कारणों के चलते ऐसा नहीं कर पाए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सलमान को जबसे लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने उन्हें और उनके पिता सलीम खान को जान से मारने की धमकी दी थी, तभी से वह पब्लिक प्लेसेस और पब्लिक के बीच जाने से बच रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक सलमान के गैलेक्सी अपार्टमेंट के आसपास 10 स्पेशल फोर्स के ऑफिसर तैनात हैं। साथ ही सिक्योरिटी के लिए उनके अपार्टमेंट के पास करीबन 15 सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। वहीं स्पेशल फोर्स के कुछ ऑफिसर सलमान खान के साथ सेट पर भी मौजूद रहते हैं। सलमान खान इन दिनों अपनी फिल्म कभी ईद कभी दिवाली की शूटिंग में बिजी हैं। वे टाइगर सीरीज की तीसरी फिल्म टाइगर-3 पर भी काम कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ कटरीना कैफ भी नजर आएंगी। इसके साथ ही वे आमिर खान की लाल सिंह चड्ढा और शाहरुख खान की पठान में कैमियो रोल में भी दिखेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वे इस साल दिसंबर के अंत में दबंग सीरीज की 4 किश्त यानी दबंग 4 में काम करना शुरू करेंगे।

साउथ के कपल नयनतारा-विग्नेश से मिलीं मलाइका

मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में साउथ फिल्म इंडस्ट्री की लेडी सुपरस्टार नयनतारा और उनके पति डायरेक्टर विग्नेश सिवन से मुलाकात की, जिनकी एक महीने पहले ही शादी हुई है। साथ ही मलाइका ने इन दोनों के साथ सोशल मीडिया पर फोटो शेयर की और दोनों को बधाई दी। मलाइका ने इस फोटो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, बधाई हो नयनतारा और विग्नेश। आप दोनों से मिलकर बहुत खुशी हुई। इस फोटो में मलाइका स्ट्रैपी ड्रेस में दिखीं, वहीं नयनतारा ब्लैक टैंक टॉप में नजर आईं। फैंस दोनों एक्ट्रेस को साथ देखकर बहुत खुश हैं। नयनतारा और विग्नेश ने शादी से पहले 6 साल तक एक-दूसरे को डेट किया था। दोनों के वर्कफ्रंट की बात करें तो नयनतारा, शाहरुख खान के साथ फिल्म जवान में काम कर रही हैं।

इस फिल्म को डायरेक्टर एटली बना रहे हैं। यह पहली बार है जब पर्दे पर शाहरुख और नयनतारा साथ नजर आएंगे। फिल्म 2023 में रिलीज होगी। वहीं विग्नेश जल्द अजीत कुमार की फिल्म एके 62 को डायरेक्ट करेंगे। यह फिल्म लायका प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही है।

अजब-गजब | जानिए क्या है वजह

ये है दुनिया की सबसे बड़ी सोने की मूर्ति, जिस पर चढ़ाया जाता है प्लास्टर

दुनियाभर में अजब गजब चीजों की कमी नहीं है। जहां एक से बड़ा एक अजूबा मिल जाएगा। आज हम आपको एक मूर्ति के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे दुनिया की सबसे बड़ी मूर्ति माना जाता है। इस मूर्ति की खास बात ये है कि इस पर लोग प्लास्टर चढ़ाते हैं। भगवान बुद्ध की ये मूर्ति थाईलैंड में हैं। बता दें कि चीन के दक्षिण-पश्चिमी सिचुआन प्रांत में भी भगवान बुद्ध की एक मूर्ति है जिसे बनाने में 90 साल से ज्यादा का समय लगा था। लेकिन थाईलैंड में मौजूद भगवान बुद्ध की मूर्ति दुनिया की सबसे बड़ी सोने की मूर्ति है।

भगवान बुद्ध की इस मूर्ति को द गोल्डन बुद्धा कहा जाता है। यह मूर्ति थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के वाट ट्रेमिट मंदिर में स्थित है। इस मूर्ति की लंबाई 9.8 फीट है और इसका वजन लगभग 5500 किलोग्राम है। बता दें कि वैसे तो यह प्रतिमा बिकाऊ नहीं है, लेकिन अगर सोने की कीमतों के हिसाब से इसका कीमत आंकी जाए तो ये 2000 करोड़ रुपये से ज्यादा बैठेगी। यह मूर्ति कई सालों तक दुनिया से छुपी रही थी। इसके ढूंढे जाने की कहानी भी बड़ी अजीबोगरीब है। बताया जाता है कि साल 1954 तक लोगों को इसके बारे में पता नहीं था कि यह मूर्ति पूरी तरह से सोने की है, क्योंकि उस समय मूर्ति के ऊपर प्लास्टर चढ़ाया गया था। जब मूर्ति को रखने के लिए मंदिर में एक नया भवन बनाया गया और 1955 में इसका स्थानांतरण किया जा रहा था, तब गलती से मूर्ति जमीन पर गिर गई। जिससे उसका प्लास्टर उखड़ गया और उसकी हकीकत लोगों के सामने आ गई।

बाद में इस मूर्ति को रखने के लिए वाट ट्रेमिट मंदिर में एक बड़े से भवन निर्माण कराया गया और वहां भगवान बुद्ध की सोने की मूर्ति को स्थापित किया गया। कहा जाता है कि सोने की इस मूर्ति पर प्लास्टर इसलिए चढ़ाया गया था, ताकि इसे चोरी होने से बचाया जा सके। ऐसा माना जाता है कि 1767 में बर्मा के अ्र मणकारियों द्वारा अयुथ्या राज्य के विनाश से पहले मूर्ति पर प्लास्टर करने का काम पूरा हुआ होगा।

यहां निभाई जाती है अनोखी परंपरा दफनाए जाते हैं जिंदा लोग

पूरी दुनिया में लोग अलग-अलग तरह की रीति रिवाज निभाते हैं। कुछ स्थानों पर ऐसी परंपराए निभाई जाती है जिन्हें देखकर या जानकर कोई भी हैरान रह जाएगा। आज हम आपको एक ऐसी ही परंपरा के बारे में बताने जा रहे हैं। जो बेहद ही अजीबोगरीब है, तो चलिए बताते हैं आपको इस अनोखी परंपरा के बारे में। दरअसल, इस परंपरा में जिंदा इंसान को जमीन में दफना दिया जाता है और ये प्रथा दक्षिण अमेरिकी देश क्यूबा में निभाई जाती है। इस अजीबोगरीब प्रथा को बूजी फेस्टिवल के नाम से जाना जाता है। इस त्यौहार में जिंदा व्यक्ति को दफना दिया जाता है। इसमें किसी एक आदमी को ताबूत में बंद कर दिया जाता है और उसे शहर की सड़कों पर घुमाया जाता है। ताबूत के पीछे-पीछे उसके रिश्तेदारों और दोस्तों समेत सैकड़ों लोगों की भीड़ साथ में चलती है। सभी लोग शराब के नशे में तालियां बजाते और नाचते गाते चलते हैं। सिर्फ इतना ही नहीं सफेद बालों वाली एक महिला उस शख्स की विधवा बनती है। जानकारी के लिए बता दे कि क्यूबा में ये त्योहार पिछले 30 सालों से मनाया जाता है। इसका नाम ब्यूरियल ऑफ पचैंचो है। वैसे तो ये त्योहार किसी को जिंदा दफनाने के लिए होता है लेकिन यहां के नजारे को देखकर आपको लगेगा जैसे कोई शादी हो रही हो। इस त्योहार की शुरुआत साल 1984 में हुई थी। इसे स्थानीय कार्निवाल के समाप्त होने और एक नए जन्म के संकेत के आधार पर माना जाता है।

भाजपा की बी टीम है कांग्रेस, जनता अपना वोट न करे बर्बाद: संजय सिंह

» गोवा कांग्रेस में चल रही उठापटक को लेकर आप सांसद ने साधा निशाना

» ईमानदार आम आदमी पार्टी को बताया कांग्रेस का विकल्प

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा शासित गोवा में कांग्रेस पार्टी में चल रहे ताजा सियासी उठापटक को लेकर आम आदमी पार्टी के राज्य सभा सांसद संजय सिंह ने कांग्रेस पर करारा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि गोवा कांग्रेस ने साबित कर दिया है कि कांग्रेस का हाथ भाजपा के साथ है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस को दिया एक-एक वोट भाजपा को जाएगा। कांग्रेस, भाजपा की 'बी' टीम है। उन्होंने लोगों से अपील की कि कांग्रेस को वोट देकर अपना वोट बर्बाद मत कीजिए। अब आपके सामने विकल्प के रूप में ईमानदार आम आदमी पार्टी है। वहीं इसी मुद्दे पर दिल्ली की विधायक आतिशी ने कहा कि आम आदमी पार्टी को छोड़कर भाजपा देश में हर पार्टी को तोड़ने में सफल हुई है। चाहे पैसे का लालच देकर या फिर ईडी-सीबीआई और पुलिस का दबाव डालकर। कांग्रेस को दिया गया हर वोट भाजपा के खाते में जाता है। यह सिर्फ गोवा में ही नहीं बल्कि मेघालय, कर्नाटक, मणिपुर, मध्य प्रदेश भी हुआ है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कहते हैं कि हम बिजली-पानी फ्री देंगे, अच्छे स्कूल-अस्पताल बनाएंगे। पार्टी के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि गोवा में जो हो रहा है वह पूरे देश, खासकर गुजरात और हिमाचल प्रदेश की जनता के लिए चेतावनी है कि भाजपा से बचकर रहना है। गौरतलब है कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में गोवा में सरकार चल रही है, वहीं कांग्रेस के कई विधायकों ने बगावती तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। इसी प्रकरण को लेकर आम आदमी पार्टी कांग्रेस पर हमलावर है।

यूपी में घरों पर लहराएगा तिरंगा, शहीद स्मारकों पर बजेगी राष्ट्रीय धुन

» पोस्टर का विमोचन, 11 से 17 अगस्त तक मनाया जाएगा स्वतंत्रता सप्ताह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। स्वतंत्रता दिवस के अमृत महोत्सव के अवसर पर प्रदेश में 11 से 17 अगस्त तक स्वतंत्रता सप्ताह मनाया जाएगा। इस मौके पर 2.28 करोड़ घरों और 50 लाख सरकारी, गैर सरकारी कार्यालयों, औद्योगिक व वाणिज्यिक इकाइयों आदि में ध्वजारोहण किया जाएगा।

सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में उनके सरकारी आवास पर अमृत महोत्सव के संबंध में गठित राज्य स्तरीय समिति की बैठक हुई। उन्होंने संस्कृति विभाग के सामुदायिक रेडियो जयघोष के थीम सांग और हर घर तिरंगा कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन भी किया। सीएम ने कहा कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम राष्ट्रीय गौरव का आयोजन है और प्रत्येक नागरिक को इससे जुड़ना चाहिए। लोग अपने तिरंगे की फोटो इंटरनेट मीडिया पर अपलोड कर सकते हैं। अच्छा आयोजन करने वाले जिलों को पुरस्कृत किया जाएगा। प्रचार-प्रसार के लिए एनसीसी, एनएसएस स्वयंसेवकों व स्वयंसेवी संगठनों द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली जाए। स्वतंत्रता सप्ताह के दौरान प्रत्येक शहीद स्मारक पर पुलिस बैंड द्वारा राष्ट्रीय धुन बजाई जाए।

राजभर का नया दांव, बोले, अखिलेश से पूछेंगे उन्हें हमारी जरूरत है या नहीं

» विपक्ष के राष्ट्रपति उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के कार्यक्रम में नहीं बुलाने से है नाराज

» बार-बार बयान बदलने से सपा-भाजपा असमंजस में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) गठबंधन में दरार पड़ने की चर्चाओं के बीच सुभासुपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने कहा है कि पहले वह सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात कर विपक्ष के राष्ट्रपति उम्मीदवार यशवंत सिन्हा कार्यक्रम में न बुलाने की वजह से पूछेंगे। इसके बाद ही गठबंधन के भविष्य और राष्ट्रपति चुनाव में वोट देने को लेकर फैसला लेंगे। राजभर ने कहा कि दो दिन पहले हमने पार्टी के पूर्व एमएलसी उदयवीर से अखिलेश से मुलाकात कराने को कहा था लेकिन अभी तक उधर से कोई सूचना नहीं मिली है इसलिए हम प्रतीक्षा कर रहे हैं।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के सम्मान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आवास पर आयोजित रात्रि भोज में शामिल होकर राजभर ने सियासी हलचल पैदा कर दी थी। इसके बाद राजभर के कई बयान भी यह संकेत कर रहे हैं सपा-सुभासपा गठबंधन में गांठ पड़ चुकी हैं। अब राजभर का कहना है कि वह पहले अखिलेश यादव से मिलकर कुछ सवाल पूछना चाहते हैं। उसमें एक सवाल यह भी करेंगे कि विपक्षी उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के कार्यक्रम में गठबंधन में शामिल रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी को बुलाया गया तो सुभासपा अध्यक्ष को क्यों नहीं बुलाया गया। उन्होंने कहा कि वे अखिलेश से पूछेंगे कि उन्हें अब हमारी जरूरत है नहीं। इसके बाद ही कोई फैसला लेंगे। उधर ओमप्रकाश के बार-बार बयान बदलने से सपा और भाजपा में असमंजस की स्थिति है।

एक और बगावत से बचने के लिए उद्धव दे सकते हैं द्रौपदी मुर्मू को समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने राष्ट्रपति उम्मीदवार के समर्थन को लेकर अभी फैसला नहीं लिया है। हालांकि, संभावना जताई जा रही हैं कि ठाकरे पार्टी में एक और फूट से बचने के लिए एनडीए की राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में जा सकते हैं। बताया जा रहा है कि शिवसेना सांसद मुर्मू का समर्थन करना चाहते हैं। 18 जुलाई को राष्ट्रपति चुनाव होगा। विपक्ष की तरफ से यशवंत सिंह मैदान में हैं।

सोमवार को ठाकरे की तरफ से राज्य सभा और लोक सभा सांसदों की बैठक बुलाई गई थी। इनमें अधिकांश ने मुर्मू के समर्थन करने की इच्छा जताई है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि पूर्व मुख्यमंत्री और उनके कुछ करीबी मुर्मू की उम्मीदवारी का समर्थन नहीं करना चाहते लेकिन शिवसेना नेतृत्व का झुकाव पार्टी में एक और बगावत को रोकना है। करीब एक दर्जन सांसदों ने कहा है कि अगर पार्टी मुर्मू का समर्थन करें तो बेहतर होगा। कुछ सांसदों का यह भी कहा है कि समर्थन से भविष्य में भाजपा के साथ गठबंधन का रास्ता तैयार हो सकता है।

जेसीबी लेकर बंधा निर्माण को पहुंचे विधायक रोमी साहनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पलियाकलां में जनता की समस्या का निदान करने के लिए खुद भाजपा विधायक रोमी साहनी बंधे के निर्माण के लिए जेसीबी लेकर पहुंच गए और निर्माण कार्य शुरू कराया।

जनता ने जताया आभार प्रशासन से निराश हो गए थे ग्रामीण

लंबे समय से निषाद नगर घोला के ग्रामीण कटे बंधे के निर्माण की मांग कर रहे थे। इस मामले में उन्होंने कई बार प्रशासन से बात भी की। खुद भाजपा विधायक रोमी साहनी ने भी प्रशासन से बातचीत की लेकिन कोई हल नहीं निकला तो उन्होंने ग्रामीणों की समस्या हल करने के लिए खुद कमान संभाल ली। वे अपने पैसों से जेसीबी लेकर बंधे का निर्माण कार्य कराने खुद मौके पर पहुंचे। विधायक की इस पहल पर निषाद समाज ने भाजपा विधायक का आभार जताया और जिंदाबाद के नारे लगाए। गौरतलब है कि बाढ़ से शारदा तटबंध पर कटे बंधे का निर्माण भी भाजपा विधायक रोमी साहनी के दखल के बाद पूरा हो सका था।

भाजपा का मुकाबला कर पाएगा विपक्ष!

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस सहित दूसरे विपक्षी दलों पर भाजपा तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा देने का आरोप लगाती रही है लेकिन भाजपा के विजयी अभियान में कोई बदलाव नजर नहीं आ रहा। ऐसे में सवाल उठता हैं कि क्या भाजपा की ताकत से डर गया है विपक्ष? क्या डरा विपक्ष 2024 में मुकाबला कर पायेगा या तीसरी बार भी बीजेपी का परचम लहराएगा? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार सतीश के सिंह, तुलसीदास भोईटे, डॉ. राकेश पाठक, अशोक वानखेड़े, चिंतक सीपी राय और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

डॉ. राकेश पाठक ने कहा कि कांग्रेस जब राज कर रही थी तो विपक्ष के नेताओं में हताशा रही होगी लेकिन उस हताश में भी उम्मीद की किरण दिखाई देती है। भाजपा के सामने ममता बैनजी, स्टालिन, कई ऐसे हैं जो नहीं डर रहे हैं, लड़ रहे हैं मोदीजी से। विपक्ष की अंतिम परीक्षा जनता दरबार में होती है। सीपी राय ने लोहिया को कोट करते हुए कहा जब सड़कें सूनी हो जाएगी तो संसद आवारा हो जाएगी। सड़कों को गर्म रखो। चौराहों को गर्म रखो। देश की सत्ता बदलनी है तो सत्ता को रोटी की तरह बदलते रहो। रोटी पलटती रहेगी तो ही खाने लायक रहेगी नहीं तो जल जाएगी। अशोक वानखेड़े ने कहा कि ईडी ने राहुल गांधी को बुलाया था मगर जवाब दिया न। पूरे एपिसोड में हीरो बनकर निकले। भाजपा को हरियाणा, कर्नाटक व महाराष्ट्र में उधार का सिंदूर लेना पड़ा न। यूपी का चुनाव भी उधार का ही सिंदूर है।

सतीश के सिंह ने कहा, जो राजनीति चल रही है देश के अंदर वह विपक्ष के जो लोग थे, अलग तरीके से पैदा हुए, आगे बढ़े। अब जो है जनता का अच्छा होना चाहिए, देश का भला होना चाहिए। इनकी अपनी राजनीति, रणनीति, समन्वय सारी चीजों को एक साथ में बदलाव करने पड़ेंगे। तुलसीदास भोईटे ने भी परिचर्चा में अपने विचार रखे।

जनसंख्या विस्फोट मजहब की नहीं, मुल्क की मुसीबत : नकवी

» पूर्व मंत्री बोले, इस मुद्दे को जाति धर्म से जोड़ना जायज नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सीएम योगी आदित्यनाथ के विश्व जनसंख्या दिवस पर बढ़ती आबादी को लेकर दिए बयान पर बहस छिड़ गई है। इसी बीच बीजेपी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि जनसंख्या विस्फोट को धर्म से जोड़ना जायज नहीं, यह पूरे मुल्क की मुसीबत है।

नकवी ने हाल ही में केंद्रीय मंत्री के पद से इस्तीफा दिया है। उनका राज्यसभा का कार्यकाल पूरा हो चुका है। हालांकि चर्चा है कि बीजेपी उन्हें उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बना सकती है। इस मामले में सपा प्रवक्ता अनुराग भदौरिया ने कहा कि ज्यादा जनसंख्या किसी भी देश के लिए समस्या होती है, लेकिन सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि कैसे उस समस्या का समाधान हो और कैसे देश विकास के रास्ते पर जाएं और उन्नति करें। साथ ही कैसे रोजगार बड़े और देश की अर्थव्यवस्था

मजबूत हो यह भी सरकार की जिम्मेदारी होती है सरकार इससे भाग नहीं सकती है। वहीं दूसरी ओर संभल से सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क ने सीएम योगी पर पलटवार करते हुएकहा कि औलाद पैदा करने का जाति तौर पर इंसान से कोई ताल्लुक नहीं है। सपा सांसद ने कहा भाजपा सरकार जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाए जाने की जगह मुस्लिमों की तालीम का बंदोबस्त करे। जब बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलेगी तो कौम में बढ़ती आबादी की समस्या अपने आप खत्म हो जाएगी।

एक वर्ग की जनसंख्या बढ़ने से फैलेगी अराजकता

इससे पहले योगी आदित्यनाथ ने एक कार्यक्रम में यूपी की बढ़ती आबादी पर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा था जनसंख्या नियंत्रण का कार्यक्रम सफलतापूर्वक आगे बढ़े लेकिन हमें इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि जनसांख्यिकी असंतुलन पैदा न होने पाए। उन्होंने कहा कि ऐसा न हो कि किसी वर्ग की आबादी बढ़ने की स्पीड और उनका प्रतिशत ज्यादा हो और जो मूल निवासी हैं, जागरूकता अभियान चलाकर उनकी जनसंख्या नियंत्रित कर असंतुलन पैदा कर दिया जाए। सीएम ने कहा था कि जिन देशों की जनसंख्या ज्यादा होती है, वहां जनसंख्या असंतुलन चिंता का विषय है।

अयोध्या विवादित ढांचा विध्वंस मामला

सत्र अदालत के फैसले के खिलाफ सुनवाई 18 को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या के विवादित ढांचा विध्वंस मामले में सत्र अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में दाखिल पुनरीक्षण याचिका पर अगली सुनवाई 18 जुलाई को होगी। याचिका में सभी 32 अभियुक्तों को दोषी करार दिये जाने की भी मांग की गई है।

न्यायमूर्ति दिनेश कुमार सिंह की एकल पीठ के समक्ष अयोध्या निवासी हाजी महबूब अहमद व सैयद अखलाक अहमद की ओर से दाखिल उक्त याचिका सुनवाई के लिए पेश हुई। हालांकि याचियों की ओर से मामले को किसी अन्य दिन सुने जाने का अनुरोध किया गया। इस पर न्यायालय ने 18 जुलाई की तिथि नियत करते हुए, यह भी स्पष्ट किया है कि अगली तारीख पर मामले की सुनवाई टाली नहीं जाएगी। साथ ही याचिका को शुरू के दस मामलों में ही सूचीबद्ध करने का भी निर्देश दिया है। उल्लेखनीय है कि विशेष अदालत, अयोध्या प्रकरण ने 30 सितम्बर 2020 को निर्णय पारित करते हुए विवादित ढांचा विध्वंस मामले में पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरली मनोहर जोशी, पूर्व राज्यपाल कल्याण सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती, लोक सभा सदस्यों साक्षी महाराज, लल्लू सिंह व बृजभूषण शरण सिंह समेत सभी अभियुक्तों को बरी कर दिया था।

तेलंगाना में रची गई पीएम मोदी की आपत्तिजनक होर्डिंग लगाने की साजिश

» मामले में मुख्य आरोपी फरार, प्रिंटिंग प्रेस मालिक सहित पांच गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आपत्तिजनक होर्डिंग प्रयागराज पुलिस लाइन के पास यूनिपोल पर लगाए जाने के मामले में प्रयागराज पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस जल्द तेलंगाना जाएगी। क्योंकि इस मामले में तेलंगाना में रहने वाले साईं को नामजद किया गया है।

सीओ कर्नलगंज अजीत सिंह चौहान ने बताया कि तेलंगाना के रहने वाले साईं ने पीएम नरेंद्र मोदी को बदनाम करने के साजिश के तहत होर्डिंग लगवाया था। होर्डिंग में प्रधानमंत्री का कार्टून बनाया गया था, जिसमें उनके हाथ में सिलेंडर दिखाया गया था। नीचे अंग्रेजी में लिखा था बाय-बाय मोदी। होर्डिंग में नई दिल्ली के पास कृषि कानूनों को वापस लेने के लिए धरने पर बैठे

किसानों की मौत और अप्रत्यक्ष तौर पर अग्निवीर योजना के जरिए सेना में चार साल की नौकरी देने को लेकर प्रधानमंत्री पर निशाना साधा गया था। महाराणा प्रताप चौराहे के पास लगे होर्डिंग पर जब युवा मोर्चा विश्वविद्यालय मंडल के उपाध्यक्ष अमित शरण की नजर पड़ी, तो उन्होंने तत्काल टीम के साथ होर्डिंग को उतरवाने का दावा किया था। होर्डिंग लगाने के मामले में 10 जुलाई को कर्नलगंज पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली थी। रविवार को दरोगा हरेंद्र सिंह ने अज्ञात लोगों के खिलाफ कर्नलगंज थाने में आईपीसी की धारा 153बी और 505-2 के तहत मुकदमा दर्ज कराया था।

भाजपा ने गोवा में हमारे विधायकों को तोड़ने की कोशिश की : मुकुल

» पार्टी अंदरूनी कलह को थामने में जुट गयी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। गोवा कांग्रेस में दो वरिष्ठ नेताओं को अयोग्य ठहराने की मांग उठने के बाद कलह तेज होने के आसार बनने लगे हैं। गोवा कांग्रेस अध्यक्ष अमित पाटकर ने अब नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में रहे माइकल लोबो एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिगंबर को अयोग्य करार देने की मांग विधानसभा अध्यक्ष से की है।

पाटकर ने आरोप लगाया है कि ये दोनों नेता पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त रहे हैं, और कांग्रेस विधायक दल में फूट डालना चाहते थे। इस बीच एआईसीसी महासचिव मुकुल वासनिक गोवा पहुंचे हैं। साथ ही पार्टी अंदरूनी कलह को थामने में जुट गई है। मुकुल

वासनिक ने पणजी में कांग्रेस विधायकों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि गोवा में कुछ लोगों ने हमारी पार्टी को तोड़ने की कोशिश की लेकिन हमारे नेताओं और विधायकों ने दिखा दिया कि वो हर नापाक इरादा जो हमें तोड़ने की कोशिश करेगा, उसे हम सफल नहीं होने देंगे। मैंने गोवा के कांग्रेस विधायक दल के साथ बैठक की। विधानसभा में किन मुद्दों को सदन में रखना है उस पर चर्चा हुई।

गोवा के बाद कांग्रेस को उत्तराखंड में भी झटका!

देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस के दिग्गज नेता अब जल्द ही राज्य में मजबूत विपक्ष के तौर पर दिखेंगे और सरकार के खिलाफ सड़कों पर भी उतरेंगे। यह बात पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत और पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह ने एक मीटिंग के बाद कही। दरअसल कांग्रेस से 45 साल जुड़े रहे आरपी रतूड़ी व अन्य नेताओं ने पार्टी से इस्तीफा दिया। इस्तीफा देने के बाद आम आदमी पार्टी जॉइन कर ली। इसके बाद हरक सिंह के घर कई कांग्रेसी नेता बैठक करते दिखे। हरक सिंह के घर पहुंचने वालों में प्रीतम सिंह गुट के कई नेता शामिल थे। उपनेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी, गंगोत्री के पूर्व विधायक विजयपाल सजवाण पूर्व विधायक राजकुमार आदि नेताओं की इस बैठक के बाद हरक ने कहा अब उत्तराखंड में विपक्ष कमजोर दिख रहा है। मैं जब नेता विपक्ष था, कांग्रेस सड़क से सदन तक लड़ती थी। इस वक्त प्रदेश में खालीपन दिख रहा है। असल में कांग्रेस ने पिछले दिनों युवा चेहरे करन मेहरा को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर पार्टी के भीतर की गुटबाजी को खत्म करने के लिए एक बड़ा दांव खेलते हुए मेहरा से उम्मीद लगाई थी।

पेज एक का शेष...

पशुधन विभाग में हो....

रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत खरीद में जमकर धांधली की गई। जांच में पाया गया कि जनपदों से प्राप्त मांग पत्र आए बिना सामग्री खरीद ली गयी। वहीं जनपद स्तर पर इस्तेमाल की जाने वाली इन सामग्रियों की आपूर्ति सीधे जनपदों को न कराकर मुख्यालय, पशुपालन विभाग स्तर पर करायी गयी। लिहाजा इन उपकरणों को जनपदों में भेजने में अलग से खर्च करना पड़ा। जेम पर क्रय किये जाने की न्यूनतम अवधि 10 दिनों की होती है, लेकिन कोरोना की शर्त दिखाकर मात्र पांच दिनों की बिड की गयी जबकि ये कोविड की जरूरत के तहत नहीं आते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सामग्रियों के क्रय के लिए आमंत्रित की जाने वाली बिड की निर्धारित समय सीमा का पालन तक नहीं किया गया। मसलन, गागल्स क्रय के लिए बिड 26 जून 2021 को ही गयी और तकनीकी बिड 26 जून 2021 को खोली गयी। वहीं आइस लाइन्ड रिफ्रेजरेटर के लिए निविदा 5 जुलाई 2021 को ही गयी एवं इसकी तकनीकी निविदा 10 जुलाई 2021 एवं वित्तीय निविदा 12 जुलाई 2021 को खोली गयी। इसी तरह कई अन्य सामग्रियों की तकनीकी निविदायें सात दिन के पूर्व ही खोल दी गयी लेकिन इसका कोई कारण नहीं बताया गया। हैरानी की बात यह है कि एक ही आइटम दो बार अलग-अलग दरों पर खरीदे गए। प्रायोजित तरीके से सामग्रियों का क्रय किया गया है। कई सामग्रियों को 4.90 लाख से ऊपर तथा 5.00 लाख से कम पर किया गया है। यानी प्रायोजित ढंग से 5 लाख की सीमा के तहत सामग्रियों की मांग की गयी। वॉक इन कूलर/कोल्ड रूम-एक बार 88 क्रय किया गया। दोबारा 10 खरीदे गए किंतु बिड में एक आइटम दिख रहा है और दरों में भी अंतर है। वहीं इन एक्टिव कोल्ड बाक्सेस को 1,27,770 प्रति नग की दर से खरीदा गया जबकि इसी अवधि में मध्य प्रदेश सरकार में पशुपालन विभाग द्वारा इसी सामग्री को 47,250 से 49,500 तथा जम्मू एंड कश्मीर में 59,000 प्रति नग की दर से खरीदा गया। एक्टिव कोल्ड बॉक्सेज की बिड में स्पिट आप्सन डाले जाने के कारण एल-2 द्वारा प्राइस मैच करने के बाद एल-1 को 48 प्रतिशत व एल-2 को 52 प्रतिशत के क्रयादेश जारी किये गये, जिसके क्रम में मे. अभिनीश ट्रेडर्स से 352 यूनिट व मे. जगदीश इन्टरप्राइजेज से 369 यूनिट इस प्रकार कुल 721 यूनिट का क्रय 18 जुलाई 2021 को किया गया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।